

समास - सम् + आस
 पास बैठना

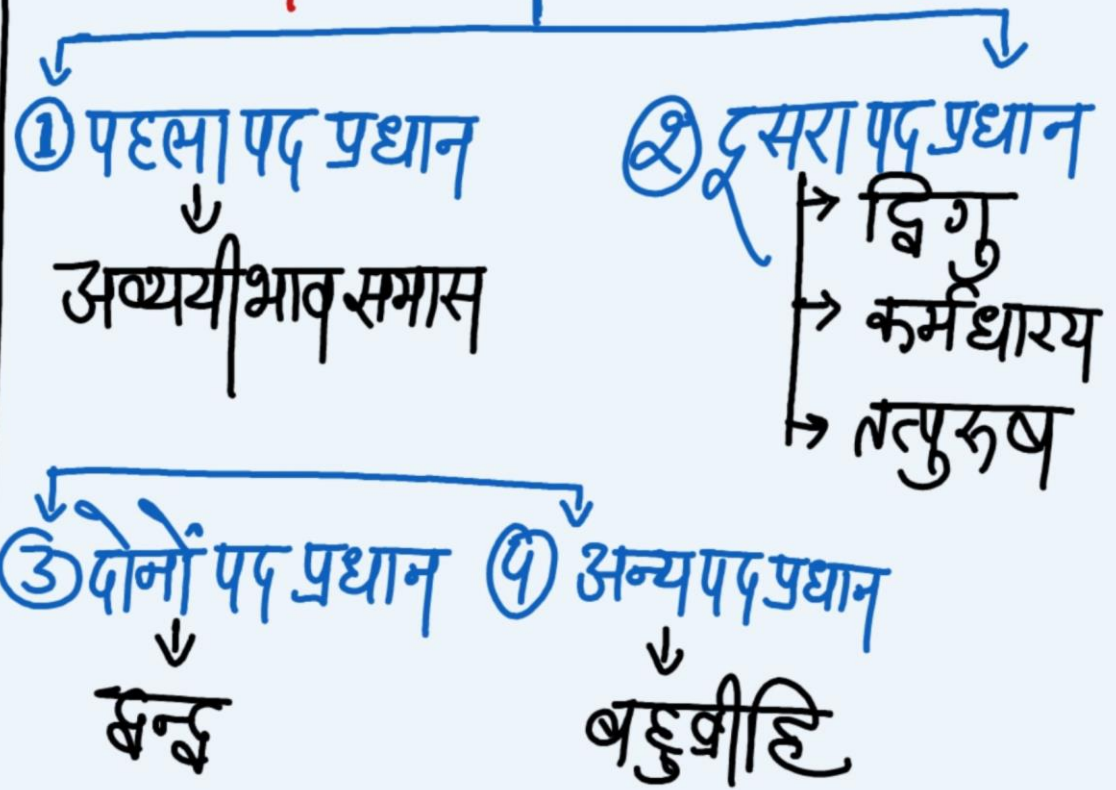
दो शब्दों का परस्पर मेल समास कहलाता है
 अर्थात् जब दो पद एक-दूसरे के पास बिठा दिये जाते हैं और
 उनके बीच बिभक्ति चिह्न या पदों का लोप कर दिया जाता
 है, तो उसे समास कहते हैं।

जैसे - रेल पर चलने वाली गाड़ी = रेलगाड़ी
शरण को आगत = शरणागत

समास के भेद — छह भेद

- ① → अव्ययीभाव समास
- ② → द्विगु समास
- ③ → तत्पुरुष समास
- ④ → कर्मधारय समास
- ⑤ → द्वन्द्व समास
- ⑥ → बहुव्रीहि समास

पद की प्रधानता के आधार भेद-चार



① अव्ययीभाव समास-

जिस समास का पहला पद कोई अव्यय या उपसर्ग हो, और दूसरा पद कोई संज्ञा हो, तथा दोनों पद मिलकर अव्यय के अर्थ का बोध कराए, अव्ययीभाव समास कहलाता है-

जैसे- यथाशक्ति - शक्ति के अनुसार
प्रतिदिन - प्रत्येक दिन

अव्ययीभाव समास की मूल विशेषताएँ:-

- ① → पहला पद प्रधान
- ② → प्रथम पद अव्यय
- ③ → उपसर्ग युक्त पद
- ④ → पुनरावृत्ति शब्द

अव्ययीभाव समास के दो भेद होते हैं -

① → अव्यय पद पूर्व अव्ययीभाव समास

② → संज्ञा पद पूर्व अव्ययीभाव समास

① अव्ययपदपूर्व अव्ययीभाव समासः—

जिस समस्त पद में
 पहला पद अव्यय या उपसर्ग होता है उसे अव्ययपूर्व पद
 अव्ययीभाव समास कहते हैं—

जैसे— यथाक्रम— क्रम के अनुसार, यथायोग्य— योग्यता के अनुसार
 यथानुसार— जैसा है उसी के अनुसार, यथामति— मति के अनुसार

यथार्थ - अर्थ के अनुसार, टरेक - रुक के बाद रुक
 आसमुद्र - समुद्र पर्यन्त, प्रत्यारोप - आरोप के बदले आरोप
 यावज्जीवन - जीवन पर्यन्त, बखूबी - खूबी के अनुसार
 यथानियम - नियम के अनुसार, प्रत्येक - हर रुक
 समक्ष - आखों के सामने, आमरण - मरने तक
 आजन्म - जन्म रहने तक, आकंठ - कंठ तक

② नामपद पूर्व अव्ययीभाव समास-

जिस समस्त पद में
पहला पद संज्ञा हो और दूसरा पद कोई अव्यय हो,
तथा सम्पूर्ण पद मिलकर अव्यय के अर्थ का बोध कराए,
नामपद पूर्व अव्ययीभाव समास कहलाता है-

जैसे- जीवनभर- पूरे जीवन, दिनभर- पूरे दिन